12.30 hrs.

RE ARREST OF HARIJANS IN HARYANA

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष जी . . . . . हरियाणा के हरिजनों . . . .

अध्यक्ष महोदय : कल जब यह मामला आया था तो मैंने उन को स्टेटमेन्ट देने के लिए कहा था ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : कल हरियाणा के तीन हजार हरिजनों को गिरफ्तार किया गया . . . .

श्री एस० एम० बनर्जी (कानपुर) : कल मैंने भी कहा था, लेकिन मंत्री महोदय स्टेटमेन्ट नहीं दे रहे हैं । कल एक लाख से भी ज्यादा लोग आये थे, तीन हजार आदमियों को गिरफ्तार कर लिया गया ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : 94 दिनों से यह आन्दोलन चल रहा है, अब तक 15 हजार लोग पकड़े गये । कल तीन हजार गिरफ्तार हुए । वे कहते हैं कि जिस जमीन पर हम बसे थे, अब हमें उस से बेदखल कर दिया गया हैं सरकारी आदेश अमल में नहीं आ रहे हैं । अब ये लोग पार्लियामेन्ट का दरवाजा नहीं खटखटायेंगे तो कहां जायेंगे ।

अध्यक्ष महोदय : बावजूद इस के कि यह स्टेट का मामला है फिर भी मैंने उन को कल स्टेटमेन्ट के लिए कहा था ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह स्टेट का मामला नहीं हैं ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने खुद भी देखा है, यह एक जनरल-सी डिमाण्ड है— हरियाणा और यू० पी० की, उसी पर बेस्ड है । He will make a statement. I think he is collecting information.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : केन्द्र संविधान के अन्तर्गत स्टेट की एक विशेष ज़िम्मेदारी रखता हैं . . . .

अध्यक्ष महोदय कल मैंने कहा था— इनके बारे में डिस्कशन के लिए रिपोर्ट आने वाली हैं, तब आप इस मामले को भी डिस्कस कर लीजियेगा ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर कल स्टेटमेन्ट नहीं आया तो हम एडजार्नमेन्ट के लिए प्रेस करेंगे ।

अध्यक्ष महोदय : इस में एडजार्नमेन्ट की बात नहीं हैं । रिपोर्ट आ रही है उस में डिस्कस कर सकते हैं ।

श्री मधु लिमये : (बांका) : अगर ये लोग यही चाहते हैं कि हो-हल्ला हो, तो वह भी हो जायेगा ।

12.32 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

NOTIFICATION UNDER NAVY ACT

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI J. B. PATNAIK): I beg to lay on the Table:—

A copy of the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Fifth Amendment) Regulations, 1973 (Hindi and English versions) published in Notification No. S.R.O. 244 in Gazette of India dated the 15th September, 1973, under section 185 of the Navy Act, 1957. [*Placed in Library. See* No. LT-5837/73]